सरकार ने प्रशासनिक और चिकित्सा कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोत्तरी, दवाओं की आपूर्ति तथा औषधालयों को किराए पर लेने सहित सऊदी अरब में अपने हज संस्थापन पर 6.73 करोड़ रुपए खर्च किए।

सीसारहित पेट्रोल की कमी के बारे में समाचार

354. **श्री सोमपाल:** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 13 अक्तूबर, 1995 के "दि इंडियन एक्सप्रेस" में दिल्ली और इसके आस-पास के इलाकों में सीसारहित पेट्रोल की कमी के बारे में प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है; और

(ग) इस कमी को दूर करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाये है या उठाने का विचार है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) ऐसा कोई भी खुदरा बिक्री केन्द्र पेट्रोल रहित नहीं रहा है, जहां सीसामुक्त पेट्रोल की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है और दिल्ली में सीसामुक्त पेट्रोल की कोई कमी नहीं है। महानगरों और रेडियल राजमार्गों में सीसामुक्त पेट्रोल बेचने वाले खुदरा बिक्री केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की जा रही है ताकि भविष्य की मांग की पूर्ति की जा सके।

पेट्रोलियम उत्पादों का आयात

355. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक देश में पेट्रोलियम पदार्थों की मांग पूरा करने के लिए पेट्रोलियम के आयात का बिल 15,000 करोड़ रुपये बढ़ जाने का अनुमान है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) वर्ष 1997 के अंत तक पेट्रोलियम पदार्थों का आयात कुल कितने मूल्य का हो जाने का अनुमान है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) से (ग) 8वीं पंचवर्षीय योजना की समाप्ति तक तेल का आयात बिल अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों, स्वदेशी क्रूड उत्पादन, शोधन क्षमता के कार्यान्वयन और मांग की वास्तविक पूर्ति पर निर्भर होगा।

कच्चे तेल का उत्पादन

356. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक देश में कच्चे तेल के उत्पादन के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ख) यदि हां, तो कच्चे तेल के स्वदेशी उत्पादन की मात्रा का लक्ष्य क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि अब तक प्राप्त संकेतों के आधार पर उपर्युक्त लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकेगा; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है और सरकारी अनुमानों के अनुसार वर्ष 1996-97 के अन्त तक कच्चे तेल के उत्पादन की अनुमानित क्षमता क्या है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) से (घ) 1996-97 के दौरान 47.08 एम एम टी कच्चे तेल के उत्पादन लक्ष्य के प्रति 1996-97 के दौरान अनुमानित उत्पादन लगभग 38 एम एम टी होने की संभावना है। सरकार ने कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई एक अल्पावधिक तथा मध्यमावधिक उपाय आरंभ किए हैं। इनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:—

1. नए क्षेत्रों का विकास।
2. विकास तथा इन्फिल कूपों का वेधन तथा उन्हें यथा-शीघ्र उत्पादन में लगाना।
3. उपयुक्त दबाव रख-रखाव तरीकों, वर्क ओवर कार्यों तथा इष्टतम उत्पादन के द्वारा रिज़र्वायर की स्थिति का रख-रखाव।
4. कुछ एक मध्यम लघु आकार के क्षेत्रों को संयुक्त उद्यम कंपनियों/निजी पक्षकारों को प्रस्तावित करना।
5. प्रायोगिक पैमाने से पूर्ण पैमाने के क्षेत्रीय अनुप्रयोग के लिए बर्द्धित तेल निकासी योजनाओं का विस्तार।

6. विशिष्ट प्रौद्योगिकियों का क्रियान्वयन अर्थात लक्ष्य वेधन को बढ़ाकर अनुप्रस्थ तथा नालिका छिद्र वेधन।

Incidents of Drowning of PAC men in Okhla Canal

357. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 9 PAC men drowned in Okhla canal on 3.11.95 while taking trial of a motor boat;

(b) whether Government have ordered any probe into the accident;

(c) whether the Navy has passed the boats and finally these were on trial;

(d) whether Government propose to black-list the firm which bad supplied boats; and

(e) the further reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (PROF. MEIJINLUNG KAMSON): (a) Yes, Sir.

(b) Additional Director General of Police, PAC Uttar Pradesh and I.G., PAC, Moradabad have conducted a preliminary enquiry. Detailed enquiry is being conducted by DIG, PAC Meerut.

(c) Yes, Sir.

(d) and (e) Since the boats are being purchased by the Government of Uttar Pradesh, a decision in this regard lies with the State Government.

पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ में धांधली

358. **चौधरी हरमोहन सिंह :**
श्री ईश दत्त यादव :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ द्वारा जून, 1994 के दौरान पासपोर्ट जारी करने में धांधली करने वाले किसी गिरोह का पता लगाया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) उन कार्यालयों, जिन्होंने ऐसे पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए जाली प्रमाण पत्र दिए थे, के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया): (क) से (ग) सरकार को क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ में सक्रिय किसी ऐसे गिरोह की जानकारी नहीं है जो पासपोर्ट जारी करने में कदाचार के लिए उत्तर दायी है। तथापि, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ के दो कर्मचारियों के विरुद्ध जांच-पड़ताल की जा रही है।

Request to US to stop arms supply to Pakistan

359. DR. BAPU KALDATE : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state the efforts made to impress upon USA not to precipitate an arms race in the sub-continent and stop all arms supply to Pakistan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA): India's serious concern in this regard was conveyed unambiguously at each stage of the Congressional legislative process to the US Administration and to US Congressmen and Senators.

Indo-Pak Relations

360. SHRI SARADA MOHANTY : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) the various reasons for the poor Indo-Pak relations;

(b) whether Government have responded to the references made by Pakistan on the International fora regarding Kashmir;

(c) if so, the reaction of Pakistan Government thereto; and

(d) the steps taken to normalise the relations between both the countries?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA): (a) to (d) Government are committed to the normalisation of relations with Pakistan and the resolution of all Indo-Pakistan issues through direct bilateral discussions